संक्षिप्त तथ्य:

- भारत के उपराष्ट्रपति विश्वविद्यालय के 'चांसलर' के रूप में कार्य करते हैं।
- इसे 'विश्वविद्यालय अनुदान आयोग' (यूजीसी) द्वारा प्रतिष्ठित संस्थान (Institute of Eminence - IoE) के रूप में मान्यता प्रदान की गयी है।

प्रीलिम्स लिंक:

1. दिल्ली विश्वविद्यालय के बारे में
2. यूजीसी के बारे में
3. प्रतिष्ठित संस्थान (IoE) के बारे में
4. मौरिस ग्वायर
5. वाइसरीगल लॉज
6. 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन
7. गांधी-इरविन समझौता

मैंस लिंक: भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में दिल्ली विश्वविद्यालय की भूमिका की विवेचना कीजिए।

स्रोत: द प्रिंट।

विषय:विश्व के इतिहास में *18*वीं सदी तथा बाद की घटनाएँ यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनःसीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव।

1. रूस का विजय दिवस

द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी की नाजी सेनाओं पर सोवियत संघ की जीत के उपलक्ष्य में रूस में हर साल 9 मई को 'विजय दिवस' (Victory Day) मनाया जाता है।

'विजय दिवस' के बारे में:

विजय दिवस, वर्ष 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के अंत तथा मित्र राष्ट्रों की जीत का प्रतीक है।

- द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम समय में एडोल्फ हिटलर ने 30 अप्रैल को खुद को गोली मार ली थी।
- हिटलर की मौत के पश्चात, जर्मन सैनिकों ने 7 मई को आत्मसमर्पण कर दिया, जिसे अगले दिन औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया गया, तथा यह 9 मई को प्रभावी हुआ।
- अधिकांश यूरोपीय देशों में इसे 8 मई को मनाया जाता है, और इसे 'यूरोप की जीत दिवस' (Victory in Europe Day) कहा जाता है।

रूस में 'विजय दिवस' 9 मई को मनाए जाने का कारण:

इसका कारण यह है, आत्मसमर्पण के दस्तावेजों पर 7 मई को हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके अनुसार 8 मई को बर्लिन समयानुसार 23:01 बजे से लड़ाई बंद हो जायेगी।, चूंकि, मास्को का समय यूरोपीय समय से एक घंटा आगे होता है, अतः युद्धविराम 9 मई को प्रभावी हुआ।

- आत्मसमर्पण के शुरुआती दस्तावेजों पर फ्रांस की रीम्स (Reims) में 7 मई को हस्ताक्षर किए गए थे।
- लेकिन, रूस का तर्क है, कि कुछ जर्मन सैनिकों ने 'रीम्स दस्तावेजों' को केवल पश्चिमी देशों के गठबंधन के समक्ष आत्मसमर्पण माना है, तथा इसके बाद भी पूर्वी यूरोप में, विशेषकर प्राग में युद्ध जारी रहा।
- अतः, सोवियत संघ ने एक अन्य आत्मसमर्पण की मांग की।
- इसके पश्चात, दूसरा आत्मसमर्पण समारोह देर रात 8 मई को बर्लिन के बाहरी इलाके में स्थित एक किले में हुआ, उस समय मॉस्को में 9 मई की तारीख लग चुकी थी।
- दोनों दस्तावेजों के अनुसार, जर्मनी के नियंत्रण वाले सभी सैन्य बल 11:01 बजे बर्लिन समय से सभी कार्यवाहियां बंद कर देंगे।